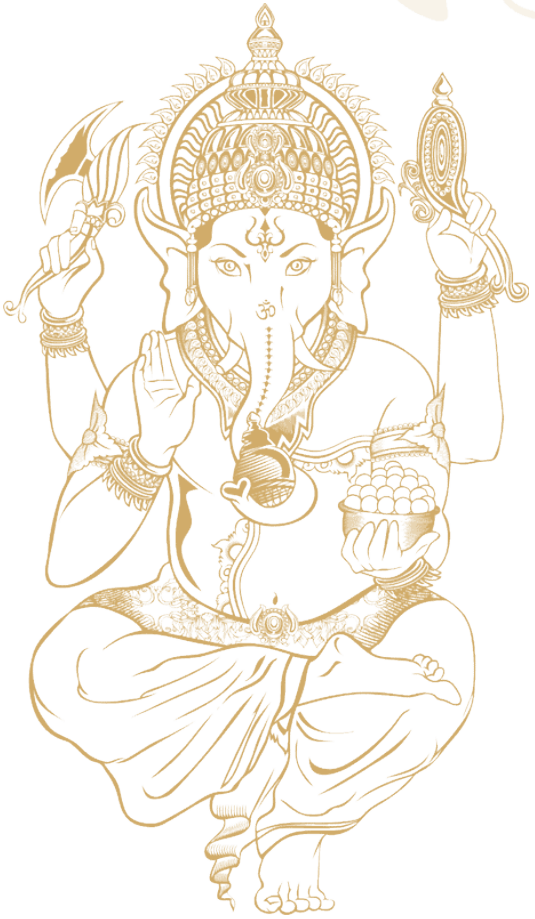

Aditi

25 Aug 2002

02:00 AM

Meerut

Model: web-freekundliweb

Order No: 121763605

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24-25/08/2002**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**02:00:00 घंटे**
इष्ट	50:18:30 घटी
स्थान	**Meerut**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:00:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:40:48 घंटे
वेलान्तर	-00:02:27 घंटे
साम्पातिक काल	23:52:35 घंटे
सूर्योदय	05:52:35 घंटे
सूर्यास्त	18:50:06 घंटे
दिनमान	12:57:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	07:36:17 सिंह
लग्न के अंश	16:54:52 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 3**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	धृति
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	दा-दामोदर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	16:54:52	317:14:39	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	07:36:17	00:57:51	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मूलत्रिकोण
चंद्र			कुंभ	28:59:13	11:59:39	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	सम राशि
मंगल		अ	सिंह	03:05:03	00:38:11	मघा	1	10	सूर्य	केतु	सूर्य	मित्र राशि
बुध			कन्या	03:40:01	01:14:16	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	उच्च राशि
गुरु			कर्क	11:07:33	00:12:37	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	उच्च राशि
शुक्र			कन्या	23:33:13	00:56:35	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	नीच राशि
शनि			मिथु	03:12:15	00:04:45	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		वृष	20:33:01	00:12:45	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	20:33:01	00:12:45	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	02:46:26	00:02:23	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
नेप	व		मक	15:05:35	00:01:28	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	21:00:42	00:00:03	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	04:05:00	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:23

लग्न-चलित

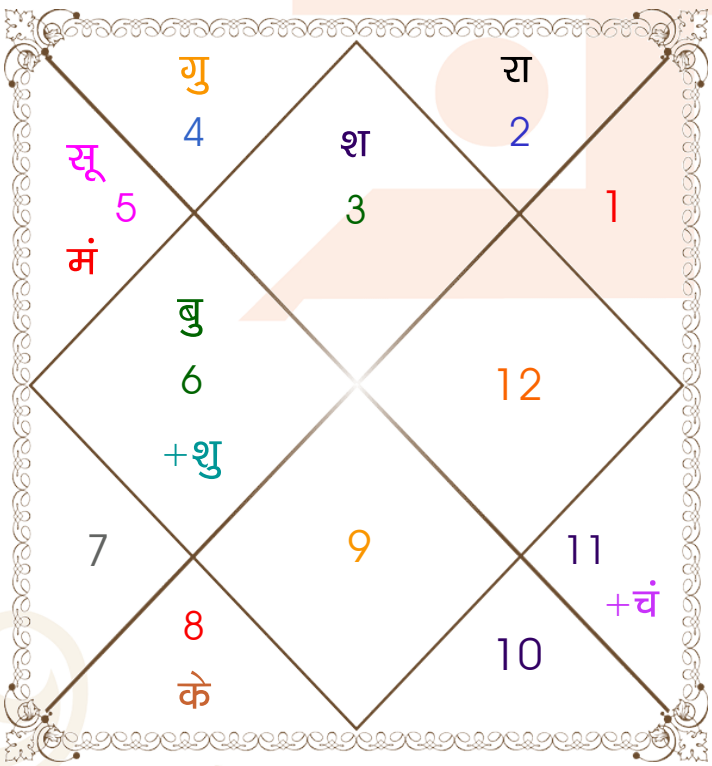

चन्द्र कुंडली

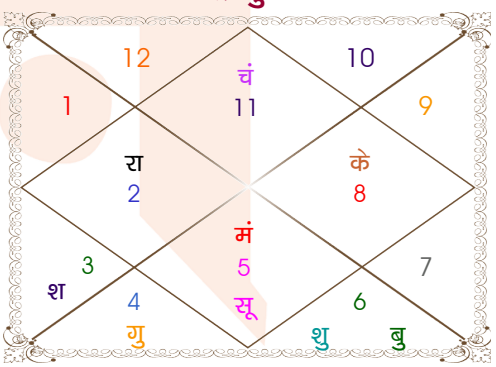

नवमांश कुंडली

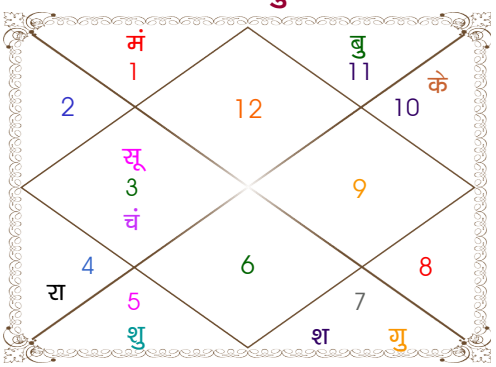

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 5 वर्ष 2 मास 17 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
25/08/2002		12/11/2007		11/11/2026		12/11/2043		11/11/2050	
12/11/2007		11/11/2026		12/11/2043		11/11/2050		11/11/2070	
	00/00/0000	शनि	14/11/2010	बुध	09/04/2029	केतु	09/04/2044	शुक्र	13/03/2054
	00/00/0000	बुध	24/07/2013	केतु	06/04/2030	शुक्र	09/06/2045	सूर्य	13/03/2055
	00/00/0000	केतु	02/09/2014	शुक्र	04/02/2033	सूर्य	15/10/2045	चंद्र	11/11/2056
	00/00/0000	शुक्र	02/11/2017	सूर्य	12/12/2033	चंद्र	16/05/2046	मंगल	11/01/2058
	25/08/2002	सूर्य	15/10/2018	चंद्र	13/05/2035	मंगल	12/10/2046	राहु	11/01/2061
सूर्य	13/03/2003	चंद्र	15/05/2020	मंगल	09/05/2036	राहु	30/10/2047	गुरु	12/09/2063
चंद्र	12/07/2004	मंगल	24/06/2021	राहु	27/11/2038	गुरु	05/10/2048	शनि	11/11/2066
मंगल	18/06/2005	राहु	30/04/2024	गुरु	03/03/2041	शनि	14/11/2049	बुध	11/09/2069
राहु	12/11/2007	गुरु	11/11/2026	शनि	12/11/2043	बुध	11/11/2050	केतु	11/11/2070

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
11/11/2070		11/11/2076		11/11/2086		11/11/2093		13/11/2111	
11/11/2076		11/11/2086		11/11/2093		13/11/2111		00/00/0000	
सूर्य	01/03/2071	चंद्र	11/09/2077	मंगल	09/04/2087	राहु	24/07/2096	गुरु	31/12/2113
चंद्र	31/08/2071	मंगल	12/04/2078	राहु	27/04/2088	गुरु	18/12/2098	शनि	13/07/2116
मंगल	05/01/2072	राहु	12/10/2079	गुरु	03/04/2089	शनि	25/10/2101	बुध	19/10/2118
राहु	29/11/2072	गुरु	10/02/2081	शनि	13/05/2090	बुध	13/05/2104	केतु	25/09/2119
गुरु	17/09/2073	शनि	11/09/2082	बुध	10/05/2091	केतु	01/06/2105	शुक्र	26/05/2122
शनि	30/08/2074	बुध	11/02/2084	केतु	06/10/2091	शुक्र	31/05/2108	सूर्य	26/08/2122
बुध	07/07/2075	केतु	11/09/2084	शुक्र	05/12/2092	सूर्य	25/04/2109		00/00/0000
केतु	12/11/2075	शुक्र	13/05/2086	सूर्य	12/04/2093	चंद्र	25/10/2110		00/00/0000
शुक्र	11/11/2076	सूर्य	11/11/2086	चंद्र	11/11/2093	मंगल	13/11/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 5 वर्ष 2 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।